

सोने के सिंगाशन बेट रहे भगवान है

जन्म भूमि का हो रहा निर्माण है
तम्बू से सिंगाशन बेट रहे भगवान है

मंगल भवन अम्ल हरी दवु सुदाश्थ अजर बिहारी,
सरयू जी का अब सिद्ध हुआ अस्नान है
सोने के सिंगाशन बेट रहे भगवान है

राम जन्म जग मंगल हेतु सत्ये संग सूती पालक सेतू,
मंदिर बन ने से आई जान में जान है
सोने के सिंगाशन बेट रहे भगवान है

जो आनंद सिन्दू सुख रासी सी करते तिरलोक सुपासी,
खुश नाच रहे अब अनजानी के लाल है
सोने के सिंगाशन बेट रहे भगवान है

सो सुख धाम राम यश नामा अखिल लोक ध्याक विशरामा,
मेहंत ब्रिज मोहन देवन्दर का राम में ध्यान है,
सोने के सिंगाशन बेट रहे भगवान है

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17530/title/sone-ke-singashan-beth-rahe-bhagwan-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |